सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।
-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 40 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 15 मार्च, 2023

बाहर प्रदर्शन, बिना मिले ही चले गये शिक्षा... 8 | माननीयों के भत्तों में बढ़ोत्तरी... 3 | सरकारी कर्मी सत्तारूढ़ टीएमसी के... 7

सदन से सड़क तक विपक्ष का हंगामा, ईडी ऑफिस के लिये मार्च

» विपक्ष का मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस समेत 18 विपक्षी दलों ने संसद भवन से लेकर ईडी कार्यालय तक मार्च किया। ज्ञात हो विपक्ष संसद में लगातार हिंडनबर्ग से जुड़े मुद्दों को उठा रहा है। इसी के मद्देनजर कई विपक्षी दलों के नेताओं ने विरोध मार्च निकाला। इस मार्च के जरिये विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर रही है।

इससे पहले नेताओं ने इस मुद्दे पर अपनी संयुक्त रणनीति के तहत संसद भवन परिसर में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यालय में मुलाकात की। विरोध मार्च दोपहर 12:30 बजे संसद भवन से शुरू हुआ। इसमें कई विपक्षी दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया। एनसीपी और टीएमसी के नेता इससे दूर रहे। हालांकि यह मार्च 20 मिनट बाद ही खत्म हो गया। क्योंकि पुलिस ने उन्हें विजय चौक पर रोक दिया जहां से वे वापस चले गए।

विजय चौक पर पुलिस ने रोका, धारा 144 लागू

वहीं दिल्ली पुलिस ने विजय चौक पर मार्च कर रहे विपक्षी सांसदों को सूचित किया कि वे आगे मार्च न करें क्योंकि धारा 144 सीआरपीसी लागू है और यहां किसी भी आंदोलन की अनुमति नहीं है।

संसद में हंगामा कार्यवाही स्थगित

बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन भी संसद के दोनों सदनों में सत्ता पक्ष ने हंगामा किया। विपक्ष ने भी सरकार को घेरा। हंगामा बढ़ने पर लोक व राज्य सभा की कार्यवाही कल तक स्थगित कर दी गई। गौरतलब हो कि राहुल गांधी के लंदन के बयान को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में दो दिन से हंगामा जारी है। बजट सत्र के दूसरे चरण की सोमवार को शुरूआत हुई, लेकिन अभी तक संसद में कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका है।

पीएम ने विदेश में देश की जनता का अपमान किया : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैं माफी (राहुल गांधी से) की मांग कर रहे लोगों से एक सवाल पूछना चाहूंगा कि जब मोदीजी पांच-छह देशों में गए और हमारे देश की जनता को अपमानित किया और उन्होंने हमें बताया कि भारत में जन्म लेना पाप है तो उसका क्या? कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी के ब्रिटेन के बयान पर माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं है और ऐसी मांग कर रहे लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता को अपमानित करने वाले विदेश में दिए गए बयानों पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यहां लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी कमजोर हो रही है। टीवी चैनलों पर दबाव बनाया जा रहा है और सच बोलने वालों को जेल में डाला जा रहा है। अगर यह लोकतंत्र को खत्म करने की प्रक्रिया नहीं है तो क्या है उन्होंने कहा कि इसलिए माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता।

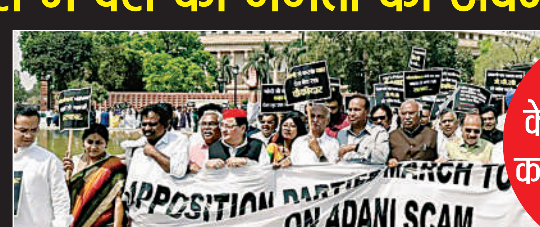

"राहुल के माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता"

लालू परिवार को कोर्ट से राहत

» लालू, राबड़ी और मीसा को मिली जमानत

» सीबीआई ने नहीं किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में लालू यादव के परिवार को कोर्ट से राहत मिल गई है। अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती को जमानत दे दी है। वहीं सीबीआई ने इसका विरोध भी नहीं किया।

गौरतलब हो कि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद यादव यूपीए सरकार में रेल मंत्री थे। उन पर आरोप है कि रेल मंत्री रहते हुए रेलवे भर्ती में घोटाला हुआ। कहा जा रहा है कि नौकरी लगवाने के बदले आवेदकों से जमीन और प्लॉट लिए गए। अब इसी घोटाले में सीबीआई जांच कर रही है और आज मामले की सुनवाई अदालत में होनी है, जिसके लिए लालू यादव परिवार समेत कोर्ट पहुंचे हैं।

50 हजार के मुचलके पर मिली जमानत

अदालत ने लालू, राबड़ी और मीसा तीनों को 50-50 हजार के मुचलके पर जमानत दी है। इससे पहले आज दिल्ली के राउज एवेन्यू अदालत में 14 आरोपी पेश हुए। लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती कोर्ट पहुंचे।

बीआरएस नेता कविता को सुप्रीम कोर्ट का झटका

» कल ईडी के सामने फिर होंगी पेश

» 24 मार्च को फिर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता और तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की एमएलसी बेटी के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली नहीं है। अदालत ने कविता को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट उनकी याचिका को सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है। 24 मार्च को उनकी याचिका पर सुनवाई होगी।

कविता से ईडी ने बीते शनिवार को पूछताछ की थी। उस दिन वह जवाब देने से कतराती रहीं।

केंद्र सरकार पर निशाना

इसी बीच, कविता ने मोदी सरकार के खिलाफ हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ जो बोलता है, उसे बुलाया जाता है और सवाल किया जाता है। ये ठीक नहीं है। सभी को सवाल करने का अधिकार है। एजेंसियों ने पहले बिजनेस हाउस पर छापे मारे और उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश की, फिर उन्होंने राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने की कोशिश की। हम लड़ेंगे, हमने कुछ गलत नहीं किया है। एजेंसी जब भी हमें बुलाएगी हम जाएंगे और जवाब देंगे।

परियोजनाओं की गुणवत्ता के साथ समझौता कर रही भाजपा

» अखिलेश बोले- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में आ रही दरार, जिम्मेदारों पर हो कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हर तरफ परियोजनाओं की गुणवत्ता के साथ समझौता किया है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

सपा अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि बुदेलखंड एवं पूर्वांचल एक्सप्रेस वे में गड्ढा बन गया, जिसमें गाड़ियां गड्ढे में चली गयीं थी।

सरकार के भ्रष्टाचार की खुल रही पोल

उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की पोल लगातार खुल रही है वहीं समाजवादी सरकार में हुए निर्माण कार्य देश और प्रदेश के सामने विकास के उदाहरण है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे का निर्माण मजबूती और गुणवत्ता के मामले विश्वस्तरीय है। देश के सबसे उच्च कोटि के लड़ाकू विमान और देश का सबसे बड़ा मालवाहक विमान हरकुलिस इस पर उतारे गए। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे की गुणवत्ता को ये उदाहरण प्रमाणित करते हैं।

कई सड़कों की गिट्टियां निर्माण के साथ ही उखड़ गई। बुदेलखंड एक्सप्रेस वे में औरैया के बिचौलियां क्रांसिंग नंबर 14 के पुल में दरार आने से पुल के नीचे के हिस्से में प्लास्टर टूट कर गिर पड़ा।

त्यौहारों के लिए कम से कम 10 करोड़ दें

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सरकार के रामनवमी व नवरात्र पर 1-1 लाख देने के फैसले का स्वागत किया है। लेकिन साथ ही कुछ सवाल और मांगें की हैं। सपा अध्यक्ष ने पूछा कि इतनी कम रकम से क्या होगा? उन्होंने त्योहारों पर गरीब परिवारों फ्री सिलेंडर देने की भी मांग की है। अखिलेश यादव ने ट्विटर का सहारा लेते हुए सरकार से मांग किया, रामनवमी मनाने के लिए यूपी के जिलाधिकारियों को एक लाख रुपये दिए जाने के प्रस्ताव का स्वागत है। लेकिन इतनी कम रकम से होगा क्या, कम से कम 10 करोड़ देने चाहिए जिससे सभी धर्मों के त्योहारों को मनाया जा सके। बीजेपी सरकार त्योहारों पर फ्री सिलेंडर दे और इसकी शुरुआत रामनवमी से हो।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इन निर्माण कार्यों में हुए भ्रष्टाचार की जांच कब करायेगी? इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कब कार्यवाही होगी?

बिहार में माइक तोड़ने के आरोप में भाजपा एमएलए निलंबित

» लोकतंत्र की हत्या की जा रही : नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने वेल में आकर हंगामा शुरू कर दिया। उधर मंगलवार को माइक तोड़ने का आरोपी भाजपा विधायक को लखेंद्र पासवान को 2 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। इधर विधान परिषद में शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर और जदयू एमएलसी नीरज कुमार के बीच नोंकझोंक हुई। इसी बीच राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने बीच-बचाव किया और कहा कि आपलोग आपस में नहीं लड़े। शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस की पंक्तियों को सदन में फिर से दोहराया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साथियों के हस्तक्षेत्र अच्छी नहीं है। अमीबा से जब आदमी बना तो कोई किसी जाति या धर्म का नहीं था। जातिवादी मानसिकता दूर करनी होगी।

विरोध में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। एकतरफा कार्रवाई करते हुए आसन द्वारा एक निर्दोष विधायक पर कार्रवाई की गई। जिनपर भ्रष्ट्राचार का आरोप लगा है, उसपर कार्रवाई करने की बजाए भाजपा के निर्दोष विधायक पर कार्रवाई की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर खुलकर एकतरफा ढंग से सदन चलाना चाह रहे हैं। एक रणनीति के तहत सदन से हमलोगों को बाहर किया गया।

महिलाओं व युवाओं को और मौका देगी कांग्रेस

» कमेटी में दलितों-पिछड़ों की बढ़ेगी भागीदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश में अपने को फिर से खड़ा करने के लिए संगठन में महिलाओं, युवाओं, दलितों व पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाएगी। अगले हफ्ते इसकी घोषणा होने की पूरी संभावना है। इसके लिए होमवर्क पूरा कर लिया गया है। नई कमेटी में युवाओं और दलितों व पिछड़ों की भागीदारी 50-50 प्रतिशत होगी। महिलाओं की हिस्सेदारी भी पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा होगी।

कांग्रेस हाईकमान ने करीब छह महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के साथ छह प्रांतीय अध्यक्ष नामित कर दिए थे। लेकिन अभी तक नई प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन नहीं

हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश कमेटी के गठन के लिए नामों को अंतिम रूप दे दिया गया है। सिर्फ इसकी औपचारिक घोषणा होना भर बाकी है। नई कमेटी में कई पुराने पदाधिकारी नहीं दिखेंगे।

जिलों में सक्रिय कई कार्यकर्ताओं को कमेटी में अहम स्थान मिल सकता है। उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी जहां वरिष्ठ नेताओं को मिलेगी, वहीं सचिव व

50 साल से कम उम्र के होंगे 50 फीसदी पदाधिकारी

कमेटी के गठन में राजस्थान में हुए चिंतन शिविर की घोषणाओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा। इसके तहत 50 फीसदी पदाधिकारी 50 साल से कम उम्र के होंगे। सामाजिक न्याय के लिहाज से आरक्षित वर्गों के नेताओं व कार्यकर्ताओं को भी पर्याप्त स्थान मिलेगा। कोशिश ये है कि प्रमुख जातियों का प्रतिनिधित्व कमेटी में रहे, ताकि इसे एक संतुलित कमेटी के रूप में देखा जाए।

महासचिव अपेक्षाकृत नए कार्यकर्ता होंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जो भी पदाधिकारी होंगे, उन्हें अपने कामकाज की मासिक रिपोर्ट संगठन को देनी होगी। अपेक्षित सक्रियता न पाए जाने पर भविष्य में उनके स्थान पर किसी अन्य नेता को शामिल किया जा सकेगा।

सरकार को किसानों के कर्ज माफ करना चाहिए : राजभर

» भूमाफिया पर कहा-कार्रवाई सही, लेकिन निर्दोष को परेशान न किया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर अपने विधानसभा में एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इस बीच किसानों की कर्ज माफी पर राजभर ने कहा कि सरकार को किसानों के कर्ज माफ करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार को गरीबों के बिजली बिल माफ करने चाहिए। महंगाई के मुद्दे पर राजभर ने बीजेपी नेताओं को केंद्र में रखकर तंज करने के अंदाज में कहा कि जब गैस सिलेंडर 350 रुपये में था, तब स्मृति ईरानी चूड़ी पहन कर देशभर में गाना गा रही थीं, लेकिन अब गैस सिलेंडर 1150 रुपये है,

स्मृति ईरानी को गैस का दाम नहीं दिख रहा। राजभर ने माफियाओं के खिलाफ चल रहे अभियान पर कहा कि माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई हो, लेकिन माफियाओं की आड़ में निर्दोष लोगों पर एक्शन नहीं लिया जाए। उन्होंने कहा कि भूमिहीन व्यक्ति को भूमाफिया कैसे कहा जा सकता है। ऐसे में भूमिहीन के खिलाफ बेवजह कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

तू खींच मेरी फोटो....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मध्यप्रदेश में होती है सरकारों की खरीद-फरोख्त: केजरीवाल

» कहा-आप को दें मौका, बिजली, इलाज और स्कूल में शिक्षा देंगे मुफ्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अपने विस्तार के क्रम में जुटी आम आदमी पार्टी (आप)ने अबकी बार मध्य प्रदेश पर लक्ष्य किया है। इसी सिलसिले में पार्टी ने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया। दिली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भेल दशहरा मैदान पर आयोजित सभा को संबोधित किया।

मंच पर आते ही सबसे पहले केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा, आई लव यू टू। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में सरकारें बेची और खरीदी जाती हैं। यहां एमएलए की खरीदी-बिक्री पर डिस्कांउट भी मिलता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-पंजाब में हमारी सरकार ने बिजली, इलाज और स्कूल में शिक्षा

मुफ्त कर दी है। मध्यप्रदेश में भी एक मौका दीजिए, यहां भी सब मुफ्त कर देंगे। युवाओं को नौकरी भी देंगे। केजरीवाल बोले, मध्यप्रदेश में जनता ने भाजपा को बहुत मौका दिया। काम करने के लिए 20 साल बहुत होते हैं। अब एक-एक आदमी मामा को हटाना चाहता है। आप को मौका दीजिए। काम न करूं, तो दोबारा वोट मांगने नहीं आऊंगा।

माननीयों के भत्तों में बढ़ोत्तरी सियासी मजबूरी

सारे दल चाहते है बढ़े वेतन

आमजन से जुड़ने का माध्यम बने भत्ते

» निश्चित कानूनी प्रावधान भी बने

» दिल्ली व बिहार में बढ़े भत्ते

गीताश्री

नई दिल्ली। अभी हाल ही में दिल्ली की आप सरकार ने विधायकों व मंत्रियों के वेतन व भत्ते बढ़ाने का फैसला किया है। वेतन व भत्ते बढ़ाना सरकारों की मर्जी पर निर्भर करता है। वेतन-भत्ता बढ़ने पर सारे राजनीतिक दल एक दूसरे को मौन सहमति दे देते हैं। वेतन व भत्ते बढ़ाना राजनैतिक मजबूरी भी होती है। नेताओं को जनता के बीच में जाना होता है इसके लिए खर्चा भी होता है ऐसे सरकार की तरफ से उनकों एक तरह से मदद दी जाती है ताकि वर जनसरोकारों से जुड़ सके। हालांकि कुछ नेता इसका दुरुपयोग भी करत हैं। वहीं सार्वजनिक रूप से आम जन इस तरह की बढ़ोत्तरी पर त्वरित प्रतिक्रिया देती है। आम जन इस पर नाराजगी भी व्यक्त कर देते हैं। खैर वेतन-भत्तों का बढ़ना सही या गलत यह बहस का बिषय हो सकता है, परंतु अब इस पर केंद्र सरकार को नियम-कानून बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। सांसदों-विधायकों के साथ प्रधानमंत्री से लेकर मंत्रियों तक के वेतन-भत्ते बढ़ाने के लिए निश्चित कानूनी प्रावधान होने चाहिए।

वेतन-भत्ते एक झटके में 66 फीसदी बढ़ गए। साथ ही मंत्रियों का वेतन 136 फीसदी बढ़ा दिया गया। चंद महीने पहले ही बिहार के विधायकों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी की गई थी। सांसदों-विधायकों के वेतन-भत्ते और अन्य सुविधाएं बढने की खबरें गाहे-बगाहे आती रहती हैं। तर्क दिया जा सकता है कि जनप्रतिनिधि भी देश के नागरिक हैं और उनके भी परिवार हैं। उनको भी महंगाई की चिंता सताती है। लिहाजा इनके वेतन-भत्ते बढने पर हंगामा क्यों? लेकिन यह कुतर्क ही है। यह सवाल जायज ही है कि सांसदों और विधायकों को अपने ही वेतन-भत्ते बढ़ाने का अधिकार क्यों होना चाहिए?

देश में आइएएस अधिकारी हो चाहे बाबू, किसी को भी अपना वेतन बढ़ाने का अधिकार नहीं। इसकी तय प्रक्रिया व तंत्र होता है। क्या ऐसी प्रतिक्रिया सांसदों-विधायकों के लिए नहीं हो सकती? दूसरा सवाल उठता है कि यदि ऐसा हो भी गया तो तय प्रक्रिया व तंत्र कौन बनाएगा? क्या सांसदों-विधायकों से यह उम्मीद की जा सकती है कि वे अपने वेतन-भत्ते बढ़ाने का अधिकार छोड़ देंगे? सांसदों अथवा विधायकों के वेतन-भत्ते जब भी बढ़ते हैं, तो बहस छिड़ती जरूर है, पर कोई परिणाम नहीं निकला। केंद्र को नियम-कानून बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। सांसदों-विधायकों के साथ प्रधानमंत्री से लेकर मंत्रियों तक के वेतन-भत्ते बढ़ाने के लिए निश्चित कानूनी प्रावधान होने चाहिए। ये प्रावधान ऐसे हों, जिनमें सभी राज्यों के विधायकों के वेतन-भत्तों में एकरूपता दिखे। सांसदों और विधायकों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी हमेशा से मुद्दा बनता आया है। मुद्दा यह नहीं है कि वेतन कितना बढ़ा? मुद्दा यह है कि सांसदों-विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ाने की कोई पारदर्शी नीति क्यों नहीं है? संसद की कार्यप्रणाली हो चाहे अन्य नवाचार, हम दुनिया के दूसरे देशों से निरंतर कुछ न कुछ सीखते ही रहते हैं। क्या इस मुद्दे पर हमें वहां की व्यवस्था का अध्ययन नहीं करना चाहिए? विशेषज्ञों की कमेटी बनाकर भी तय फार्मूला बनाया जा सकता है।

पंजाब में लागू है 'एक विधायक, एक पेंशन'

सरकारों की इच्छाशक्ति हो तो सुधार संभव है। पंजाब उदाहरण है जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'एक विधायक, एक पेंशन' योजना लागू करने का साहसपूर्ण कदम उठाया। पहले पंजाब में विधायकों को हर कार्यकाल की अलग-अलग पेंशन मिलती थी। कुछ को तो पांच-पांच लाख रुपए तक पेंशन मिल रही थी। जनप्रतिनिधि खुद को जन सेवक मानते हैं, तो उन्हें अपने व्यवहार में परिवर्तन करना ही होगा।

राम ही बनाएंगे काम...

योगी सरकार की नवरात्र और रामनवमी पर एक-एक लाख की घोषणा पर संग्राम

» भाजपा ने किया स्वागत, विपक्ष ने कहा संविधान के मूल भावना को चोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसै 2024 करीब आ रहा है धर्म राजनीति पर हावी होने लगा है। ताजा मामला यूपी का है। योगी सरकार ने नवरात्र और रामनवमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रत्येक जिले के जिलाधिकारियों को एक-एक लाख रुपये मुहैया कराने का फैसला किया है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक इस फैसले का स्वागत कर रही है। हालांकि इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सियासी जानकार मानते है ये सब चुनावी फैसले हैं। नवरात्रि व रामनवमी बिना सरकारी मदद के ही कई कार्यक्रम आम लोगों द्वारा मनाए जाते रहे हैं। कुछ कार्यक्रमों को सरकारी अधिकारी या जनप्रतिनिधियों द्वारा मदद मिलती रही है। ये फैसला चूकि सरकार की ओर से लिया गया है ऐसे में सियासी बहस हो लाजिमी है।

सरकार की ओर से अन्य धर्मों के कार्यक्रमों में भी डीएम के माध्यम से मदद की जाती है। 22 मार्च से नवरात्र की शुरुआत हो रही है। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुर्गा सप्तशती और रामनवमी पर अखंड रामायण पाठ कराने का फैसला किया है। इसका आयोजन सरकारी स्तर पर होगा जिसके लिए जिलाधिकारियों को धनराशि आवंटित की जाएगी। जिलाधिकारियों से मंदिरों का ब्यौरा मांगा गया है ताकि वहां आयोजन कराए जा सकें। साथ ही डीएम को देवी मंदिर और शक्ति पीठों में कलाकार चयन और समितियां बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने इसके लिए राज्य स्तर पर दो नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। सरकार की ओर् से कहा गया है कि इन कार्यक्रमों में महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी विशेष रूप से होनी चाहिए। इस घोषणा पर राजनीतिक बहस होना लाजिमी है जहां सपा के नेता हसन ने इस पर आपत्ति की है वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्या ने कहा है इस तरह के आयोजन होने चाहिए इससे सांस्कृतिक प्रभाव पड़ता है। लोगों में एक दूसरे से जुड़ने का आधार बनता है। डिप्टी सीएम ने इस पहल की तारीफ की है। मौर्य ने कहा, भगवान श्रीराम और रामचरितमानस से जुड़े किसी भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। इस पर कोई सवाल या जवाब नहीं होना चाहिए, मैं बस यही चाहता हूं।

अन्य राज्यों में हुए आयोजन

ऐसे धार्मिक आयोजनों के लिए पश्चिम बंगाल, राजस्थान व अन्य सरकारें भी समय-समय पर मदद दे चुकी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राज्य में धार्मिक मेलों के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए कहा था कि सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है और इसके लिए धर्म-गुरुओं और सामाजिक संस्थानों के साथ समन्वय कर कार्य किया जा रहा है। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर धार्मिक स्थलों पर मेलों तथा अन्य आयोजनों में सुरक्षा एवं प्रबंध के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बंगाल में सीएए ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा पंडालों को दस-दस हजार रुपये आवंटित किए थे।

भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश

भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची धार्मिक संस्थानों, दान और न्यासों को तथाकथित समवर्ती सूची में रखती है, जिसका अर्थ है कि भारत की केंद्र सरकार और भारत में विभिन्न राज्य सरकारें धार्मिक संस्थानों, दान और न्यासों के बारे में अपने कानून बना सकती हैं। यदि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून और राज्य सरकार के कानून के बीच कोई विरोध होता है, तो केंद्र सरकार का कानून प्रभावी होता है। भारत में धर्म और राज्य को अलग करने के बजाय ओवरलैप के इस सिद्धांत को 1956 में अनुच्छेद 290 से शुरू होने वाले सवैधानिक संशोधनों की एक श्रृंखला में मान्यता दी गई थी, जो 1975 में भारतीय संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द के अतिरिक्त था। भारत की केंद्र और राज्य सरकारें धार्मिक इमारतों और बुनियादी ढांचे का वित्त और प्रबंधन करती हैं।

त्योहारों पर दे फ्री सिलेंडर: अखिलेश

उधर पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सरकार के इस फैसले का स्वागत तो किया है। लेकिन साथ ही कुछ सवाल और मांगें की हैं। सपा अध्यक्ष ने पूछा कि इतनी कम रकम से क्या होगा? उन्होंने त्योहारों पर गरीब परिवारों फ्री सिलेंडर देने की भी मांग की है। अखिलेश यादव ने ट्विटर का सहारा लेते हुए सरकार से मांग किया, रामनवमी मनाने के लिए यूपी के जिलाधिकारियों को एक लाख रुपये दिए जाने के प्रस्ताव का स्वागत है। लेकिन इतनी कम रकम से होगा क्या, कम से कम 10 करोड़ देने चाहिए जिससे सभी धर्मों के त्योहारों को मनाया जा सके। बीजेपी सरकार त्योहारों पर फ्री सिलेंडर दे और इसकी शुरुआत रामनवमी से हो।

बात अच्छी पर मुद्दों का क्या होगा : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता ने कहा, धार्मिक आयोजन करना अच्छी बात है लेकिन उन मुद्दों का क्या जिन पर लोगों ने भाजपा को वोट दिया था। लाखों नौकरियों का वादा किया गया था। आज नौकरियां कहां हैं? उत्तर प्रदेश में भाजपा उन मुद्दों और वादों पर विफल रही है जो राज्य के लोगों से किए गए थे।

कलाकारों की प्रतिभा को मिलेगा मंच

पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं इस तरह के कार्यक्रम पहले भी आयोजित किए गए हैं और पहली बार राज्य में ये आयोजित नहीं हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों के आयोजन से स्थानीय स्तर पर कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच मिलेगा। समुचित समन्वय के लिए राज्य स्तर पर दो नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक जिले में जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की अध्यक्षता वाली एक समिति उन कलाकारों का चयन करेगी जो कार्यक्रमों में प्रदर्शन करेंगे। आदेश में कहा गया है कि जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए और बड़ी जन भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

क्यों हो रहा है नैतिक पतन

"अमृतसर से कोलकाता जा रही अकालतख्त एक्सप्रेस में एक महिला से बदसलूकी का मामला सामने आया है। ट्रेन में नशे में धुत एक टीटीई ने रविवार रात एक महिला के सिर पर पेशाब कर दिया। महिला के शोर मचाने पर उसके पति ने टीटीई को पकड़ लिया। वह नशे में धुत था। ट्रेन के लखनऊ पहुंचने पर यात्री की शिकायत पर टीटीई को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अभी जनवरी के महीने में एक पढ़े-लिखे व्यक्ति द्वारा एक फ्लाइट में बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने का मामला लोगों के जहन से गया भी नही था फिर इस तरह की घटना ट्रेन में घटित हो गई। अबकि यह आरोप रेल कर्मी पर ही लगे हैं। अब एकबार फिर हो-हल्ला होगा कुछ जांच कमेटियां बनेंगी और मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा। इस तरह की घटनाएं सरकारों की व्यवस्था पर तो प्रश्न चिन्ह लगाते हीं समाज में गिरते नैतिक पतन को भी उजागर करते हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ही नहीं समाज को भी बैठकर सोचना होगा कि ऐसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगे ताकि दूसरे लोगों को हमपे उंगली उठाने का मौका न मिले। 14 मार्च को यह मामला सामने आया। अमृतसर से कोलकाता जा रही अकालतख्त एक्सप्रेस में एक महिला से बदसलूकी का मामला सामने आया है। ट्रेन में नशे में धुत एक टीटीई ने रविवार रात एक महिला के सिर पर पेशाब कर दिया। महिला के शोर मचाने पर उसके पति ने टीटीई को पकड़ लिया। वह नशे में धुत था। ट्रेन के लखनऊ पहुंचने पर यात्री की शिकायत पर टीटीई को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जीआरपी चारबाग के इंस्पेक्टर नवरत्न गौतम के मुताबिक, अमृतसर निवासी राजेश अपनी पत्नी के साथ अकाल तख्त एक्सप्रेस के ए वन कोच में यात्रा कर रहे थे। रात को करीब 12 बजे जब उनकी पत्नी अपनी सीट पर आराम कर रही थीं तब नशे में धुत टीटीई मुन्ना कुमार ने महिला के सिर पर पेशाब कर दी। महिला के चीखने पर यात्रियों ने टीटीई को दबोच लिया और उसकी पिटाई कर दी। यात्रियों का कहना था कि टीटीई नशे में धुत था। जीआरपी इंस्पेक्टर ने बताया कि यात्री राजेश की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और टीटीई को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में जीआरपी के पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा का कहना है कि आरपीएफ कंट्रोल रूम और ट्विटर के माध्यम से हमें इस घटना की जानकारी मिली है। टीटीई मुन्ना कुमार सहारनपुर में तैनात हैं। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पिछले दिनों इसी तरह की बदसलूकी करने के मामले फ्लाइट में भी आए थे जब एक यात्री ने महिला पर पेशाब कर दिया थी। जिस पर उसे यात्रा करने से रोक दिया गया था। देखने में आ रहा है आज लोगों के अंदर संयम कम होता जा रहा है। जरा सी बात पर लोग एक दूसरे से नाराज हो जा रहे हैं। कभी-कभी तो बात इतनी बढ़ जाती है कि लोग जान तक ले ले रहे हैं। देखने में आता है कि इस तरह की घटनाएं नशा करने वालों द्वारा ज्यादा होती हैं। ऐसे में सरकारों को ऐसी व्यवस्था या निगरानी तंत्र बनाने की आवश्यकता ताकि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे उपद्रवी व अनैतिक लोग जा ही न सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चिंता की बात है अल-नीनो की वापसी

ज्ञानेन्द्र रावत

तापमान में दिनोदिन हो रही बढ़ोतरी बेहद चिंता का विषय है। इससे देश के कुछ हिस्सों में हीट वेव जैसे हालात बन रहे हैं, वहीं भारतीय समुद्र पहले के मुकाबले ज्यादा गर्म हो रहा है। इससे मानसून के पहले, मानसून के दौरान और बाद में भीषण बारिश की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। दरअसल, समुद्र में उठने वाली तेज लू की लहरें भविष्य में इस समस्या को और विकराल बना देंगी। नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के अनुसार 1870 से लेकर अब तक भारतीय समुद्र के औसत तापमान में 1.4 डिग्री की बढ़ोतरी हो चुकी है, जो दूसरे समुद्र के मुकाबले ज्यादा है। दरअसल, समुद्रीय तापमान में बढ़ोतरी से समुद्री हीट वेव में तेजी आ रही है।

असलियत में बारिश की तेजी की घटनाएं गंभीर होती जा रही हैं। इसका सामना देश के 27 राज्य और 75 फीसदी जिले करने को विवश हैं। यह सभी हॉटस्पॉट बन चुके हैं। यही नहीं, उनकी तकरीबन 63.8 करोड़ आबादी इस जोखिम का सामना कर रही है। इन राज्यों के 10 में से 8 भारतीय इस जोखिम का सामना करने को अभिशप्त हैं। शोध-अध्ययन के दौरान तकरीबन 30 हजार हीट वेव रिकार्ड की गयीं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2000 से पहले कोई भी हीटवेव अमूमन 50 दिनों के भीतर समाप्त हो जाती थी लेकिन 2000 के बाद इसमें बदलाव आया और अब इसका समय बढ़कर 50 के बजाय 250 दिन के करीब हो चुका है जो मानसून पर असर डाल रही हैं। दरअसल, जब मैदानी क्षेत्रों का तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है तो हीट वेव आती है। पर्वतीय इलाकों में जब तापमान 30 डिग्री हो जाता है, रात का तापमान 40 से अधिक हो और तटीय इलाकों में 37 डिग्री से अधिक होता है तब हीट वेव की स्थिति मानी जाती है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन पाण्डेय के अनुसार यह खतरनाक स्थिति है। मार्च में भी यही स्थिति रहने का अंदेशा है जो खतरनाक संकेत है। पहाड़ी राज्यों के निचले इलाकों में अधिकतम तापमान वृद्धि की दर 10 से 11 डिग्री दर्ज की गयी है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वैश्विक तापमान में वृद्धि अल-नीनो की वापसी की संभावना को बल प्रदान करती है। डब्ल्यूएमओ की मानें तो ला-नीना के तीन सालों तक लगातार सक्रिय रहने के कारण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान बढ़ोतरी और बारिश के चक्र में असाधारण रूप से काफी बदलाव आया है। दरअसल ला-नीना भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह में निम्न हवा के दबाव बनने की स्थिति में बनता है। ईएनएसओ में तटस्थ स्थिति में 90 फीसदी आगे बढ़ने की संभावना है। वजह है प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारतीय मानसून की दृष्टि से उपयुक्त माने जाने वाले ला-नीना का प्रभाव का खत्म होना है। नेशनल ओसियन एण्ड एटमास्फेयरिक एडमिनिस्ट्रेशन यानी नोवा के अनुसार ला-नीना का अल-नीनो में रूपांतरण अप्रैल तक चलेगा जो 21वीं सदी में हुई पहली पुनरावृत्ति है। यह अब तक का चलने वाला सबसे लम्बा दौर भी है जिसका तीसरी बार पड़ना एक दुर्लभ और विलक्षण घटना है। इसको 'ट्रिपिल डिप' ला-नीना के नाम से भी जानते हैं। इसका असर 1950 से अभी तक केवल दो ही बार 1973 से 1976 और 1998 से 2001 के बीच ही पड़ा है। इस बार इसका असर अप्रैल तक होगा जो 80 फीसदी तक असर डालेगी। मई से जुलाई तक इसमें बढ़ोतरी होगी। इस दौरान देश के 60 फीसदी हिस्से में कम बारिश की आशंका है।

यह एक प्रतिसागरीय धारा होती है जो पश्चिमी प्रशांत महासागर में तब पैदा होती है जबकि पूर्वी प्रशांत महासागर में अल-नीनो का असर खत्म हो जाता है। ऐसी स्थिति में समुद्र की सतह का तापमान कम हो जाता है। दरअसल, ला-नीना के दौरान उष्णकटिबंधीय प्रशांत द्वारा गर्मी को सोखा की तरह सोख लिया जाता है। इससे पानी का तापमान बढ़ता है। यही गर्म पानी अल-नीनो प्रभाव के दौरान पश्चिमी से पूर्वी प्रशांत तक बहता है। दरअसल, ला-नीना के तीन दौर गुजरने का सीधा मतलब यह है कि गर्म पानी की मात्रा चरम पर है। जहां तक अल-नीनो का सवाल है, यह उष्णकटिबंधीय प्रशांत के भूमध्यीय क्षेत्र के समुद्र के तापमान और वायुमंडलीय परिस्थितियों में होने वाले बदलाव के लिए जिम्मेदार समुद्री घटना है, जिससे समुद्री सतह का तापमान बढ़ जाता है। इसकी मार्च से मई महीने के बीच दक्षिणी दोलन यानी

गौरतलब है कि तापमान में बढ़ोतरी और बारिश के चक्र में आये बदलाव के कारण न केवल समुद्र में हलचल बढ़ रही है, सूखे की संभावना बलवती हो रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के शोध-अध्ययन में कहा गया है कि जंगल से लेकर समुद्र तक इंसान और जानवरों के बीच संघर्ष जारी है। कारण जलवायु परिवर्तन से हर जीव-जंतु का जीवन प्रभावित हो रहा है। खाने और पानी का संकट भी भयावह रूप लेता जा रहा है। तापमान में बेतहाशा बढ़ोतरी और बारिश में बढा असंतुलन खतरनाक संकेत है जिसका समाधान बेहद जरूरी है।

ठोस नीति से ही संभव स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य

सुबीर रॉय

विभिन्न वैश्विक ऊर्जा सम्मेलनों में भारत ने वर्ष 2070 तक विशुद्ध रूप से स्वच्छ अथवा हरित ऊर्जा राष्ट्र में तब्दील हो जाने का ध्येय रखा है ताकि बढ़ते जा रहे वैश्विक तापमान-जनित मौसमी बदलावों को नाथने में बाकी देशों की तरह योगदान हो पाए। तो इस राह में देश कहां तक पहुंचा है? और यदि कुछ हुआ है तो कितना बढ़िया कर दिखाया है? अव्वल तो बढ़ता वैश्विक तापमान कोई ख्याली घोड़ा नहीं है, जिसका हौवा किन्हीं गैर-सरकारी संगठनों ने खड़ा किया हो और जिसको भारत इसलिए नजरअंदाज कर दे कि उच्च आर्थिक वृद्धि दर और तेजी से बढ़ती प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत के साथ अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ तेजी से जीती जा सकेगी। ऐसा करने पर भारत को उस जगह चोट लगेगी जहां सबसे अधिक पीड़ा होती है। नेचर क्लाइमेट चेंज नामक पत्रिका के एक हालिया अध्ययन के मुताबिक यदि विश्व में उच्च स्तर का वैसा ग्रीन उत्सर्जन होता रहा जैसा कि अब हो रहा है तो एशियाई क्षेत्र में बैंकॉक, हो-चि मिन्ह और मनीला के अलावा चेन्नई और कोलकाता ऐसे शहर हैं जिनपर अगली सदी की शुरुआत से पहले बहुत अधिक खतरा बन जाएगा।

उच्च खतरा श्रेणी में आने वालों में, पश्चिमी उष्ण प्रशांत महासागरीय द्वीप और हिंद महासागर का पश्चिमी इलाका भी है। यह निष्कर्ष समुद्र की जल-सतह में उत्तरोत्तर अंतर को अल नीनो कारक से जोड़कर, इसके प्रभाव से बदलते जा रहे मौसम से निकाला गया है। इसलिए, मौसमी बदलाव वह तत्व हैं, जिन्हें यदि भारत नजरअंदाज करेगा तो आगे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। स्वच्छ ऊर्जा बनाना भारत की मुख्यधारा ऊर्जा नीति का अंग नहीं रहा। सबसे ज्यादा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन करने वाले मुल्कों में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, लेकिन जिस तरह पिछले साल कोयला खदानों की सबसे बड़ी नीलामी की गई है, उससे लगता है इस पायदान को लेकर वह खास चिंतित नहीं है। कोई हैरानी नहीं कि भारत के कुल बिजली उत्पादन में 70 फीसदी हिस्सा जीवाश्म ईंधन से पैदा होता है। फिलहाल सतत ऊर्जा का योगदान 10 प्रतिशत ही है और आने वाले सालों में ऊर्जा मांग में बढ़ोतरी एक दशक तक प्रति वर्ष 6 फीसदी की दर से होने की आस है।

इसलिए यदि भारत को बाजार में अपना हिस्सा बनाए रखना है तो अपनी स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में भी तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करनी पड़ेगी। इसके लिए ऊर्जा नीति में ऐसा क्या हो ताकि समय के साथ तेजी से बढ़ती सकल ऊर्जा मांग के समानांतर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की तीव्र गति पक्की हो सके। प्रथम, एक ऐसी व्यावहारिक नीति बनाने की जरूरत है जिससे सोलर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जमीन का अधिग्रहण हो सके। आमतौर पर स्थानीय लोग ऐसे अधिग्रहणों का विरोध न केवल अपनी आय को लेकर बल्कि भावनात्मक लगाव की वजह से भी करते हैं। इस नीति में कंगाल हुए पड़े राज्य बिजली बोर्डों की समस्या का भी निदान हो। अब जबकि हालात यह हैं कि उनके पास बिजली उत्पादक कंपनियों का बकाया तक चुकाने का पैसा नहीं है तो ऐसे में वे स्वच्छ ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्रोतों के विकास में निवेश कैसे कर सकेंगे, यह सवाल ही पैदा नहीं होता।

गनीमत है कि कुछ नीति उत्प्रेरक पहले से मौजूद हैं, मसलन, ऊर्जा संचय कानून और बिजली उत्पादक कंपनियों को स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल अधिक करने के दिशा-निर्देश। लेकिन यह करना दरअसल अंतिम परिणामों का हुक्म आरंभ में करने जैसा है। नीति ऐसी होनी चाहिए जिससे न केवल सतत एवं स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बनाने की गति बढ़े बल्कि इसका भंडारण और संलग्न आधारभूत ढांचा भी विकसित हो। सरल शब्दों में, केवल पवन ऊर्जा या सौर ऊर्जा बिजली उत्पादन इकाइयां बनाना काफी नहीं है। इनके साथ बड़ी क्षमता की ऊर्जा भंडारण सुविधाएं बनाना भी उतना ही आवश्यक है। यह इसलिए कि पर्याप्त वायु गति और सूर्य प्रकाश सदा नहीं होता। इसलिए फालतू ऊर्जा को विशालकाय बैटरी-बैंकों में संचय करना पड़ता है ताकि जरूरत पड़ने पर, ग्रिड का स्थायित्व बनाए रखने में उस वक्त बिजली छोड़ी जाये जब उत्पादन न हो रहा हो। इससे सतत ऊर्जा की प्रति इकाई उत्पादन दर बढ़ जाती है और कुल निवेश की लागत भी। इसके अलावा, ऐसी बृहद नीति हो जो न सिर्फ घरों, दफ्तरों, शॉपिंग माल्स और ऐसे अन्य भवनों की छतों पर सोलर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दे बल्कि इसे अनिवार्य बनाए। यह होने पर, संस्थापित ऊर्जा क्षमता में इजाफा होगा। एक धूप भरे दिन में, किसी छत पर लगा सोलर ऊर्जा पैनल उस भवन में खपत होने वाली बिजली से अधिक उत्पादन करेगा, फालतू बिजली को ग्रिड में भेजा जा सकता है और रात को उसी ग्रिड से बिजली प्राप्ति होगी। उपभोक्ता को केवल खरीदी हुई बिजली का भुगतान करना पड़ेगा जिसकी गणना स्मार्ट मीटरों से होगी, जो इस आवाजाही का हिसाब रखने में सक्षम होंगे।

इस व्यवस्था से उपभोक्ता को बड़ा लाभ यह होगा कि बिल में ईंधन मूल्य मद न जुड़ने से बिल की कुल रकम बहुत कम रह जाएगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सारी व्यवस्था भली तरह निर्मित कर दी जाए। पहले-पहल, उपभोक्ता को आवश्यक निवेश करना होगा। इसको कारगर बनाने में, नीति में दो चीजें करनी होंगी छत पर सोलर पैनल लगाना अनिवार्य करना और निवेश पर आरंभिक सब्सिडी देना। हालांकि बड़ी सोलर ऊर्जा क्षमता बनाने लिए बड़े सोलर पैनलों की जरूरत पड़ती है, जिनपर आया खर्च कुल लागत का बहुत बड़ा हिस्सा होता है। भारत अपनी जरूरत के अधिकांश सोलर पैनल खुद न बनाकर पूरे-के-पूरे या पुर्जों के रूप में आयातित करता है, जो अबतक ज्यादातर चीन से आते हैं। इसलिए सरकार ने अब दोहरी नीति वाला तरीका अपनाया है। इसके तहत जहां घरेलू सोलर पैनल एवं पुर्जा उत्पादकों को प्रोत्साहन लाभ दिया जा रहा है वहीं चीन से आयातित सोलर पैनलों और पुर्जों पर तगड़ा आयात शुल्क लगेगा।

लौंग खाने से छूट जाएगी सिगरेट-शराब की लत

लोगों को यह तो पता है कि लौंग के सेवन से फायदे होते हैं या लौंग का उपयोग करना लाभदायक होता है लेकिन सच यह है कि बहुत सारे लोगों को लौंग के प्रयोग से होने वाले अनेक लाभों के बारे में जानकारी ही नहीं होती। इस कारण लोग लौंग को केवल कुछ ही चीजों में प्रयोग करते हैं। आयुर्वेदिक ग्रंथों में लौंग के इस्तेमाल से जुड़े कई उपाय बताए गए हैं। लौंग एक फायदेमंद जड़ी-बूटी है, लेकिन इन लाभों के लिए इसका सही तरीके से सेवन करना बहुत जरूरी है। रोजाना 2 लौंग चूसने से सिगरेट और शराब पीने की आदत तुरंत खत्म होने लगती है। मीठा खाने की लत, शराब की लत, सिगरेट व धूम्रपान की लत, मुंह की बदबू, दांत का दर्द, अपच की समस्या, फंगल इंफेक्शन, जी मिचलाना और उल्टी आदि में राहत देती है।

उल्टी को रोकने में उपयोगी

गर्भवती महिलाओं को उल्टी होना आम बात है। खास बात यह है कि इस दौरान लौंग खाने से उल्टी रोकने में बहुत फायदा मिलता है। इससे गर्भवती महिलाओं को बहुत आराम मिलता है। 1 ग्राम लवंग (लौंग) चूर्ण को मिश्री की चाशनी और अनार के रस में मिलाकर चाटें। इससे गर्भवती महिलाओं को होने वाली उल्टी बंद हो जाती है। लौंग का काढ़ा पिलाने से गर्भवती स्त्री की उल्टी बन्द हो जाती है। ध्यान रखें कि बुखार में यह काढ़ा ना दें।

दो लौंग मुंह में रखें मिलेगी राहत

सिगरेट पीना, तंबाकू खाना और शराब पीना ये सभी सेहत के लिए हानिकारक होते हैं। अगर आपको एक बार तंबाकू, सिगरेट, शराब की लत लग जाए तो उसे छोड़ना काफी मुश्किल होता है। कुछ लोग कोशिश करके एक या दो दिन खुद पर नियंत्रण भी करते हैं। लेकिन वो भी नहीं छोड़ पाते हैं। अगर आप इन आदतों को छोड़ना चाहते हैं तो हम आपको एक बेहतर उपाय बता रहे हैं। आप लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी कई बुरी आदतों की छुट्टी हो जायेगी। लौंग को आयुर्वेद में सबसे फायदेमंद जड़ी-बूटियों में से एक माना गया है। सिर्फ दो लौंग चूसने से सिगरेट और शराब की लत फौरन छूट जायेगी।

सिर दर्द और माइग्रेन में लाभदायक

आप लौंग सिर दर्द की परेशानी में ले सकते हैं। अगर कोई रोगी आधासीसी से पीड़ित है या फिर अन्य प्रकार के सिर दर्द की समस्या से परेशान है तो लौंग का प्रयोग लाभ दिलाता है। इसके लिए 6 ग्राम लौंग को पानी में पीसकर सुखा लें। इसे थोड़ा गर्म कर लें। इसका कान के आस-पास गाढ़ा लेप करने से सिर दर्द या आधासीसी की समस्या में लाभ होता है। 2 लौंग और 65 मिग्रा अफीम को पानी के साथ पीसकर गर्म कर लें। इसको ललाट पर लेप करने से सर्दी के कारण होने वाले सिर दर्द से आराम मिलता है।

हंसना मना है

पप्पू - तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? गप्पू - एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था...!!!

मास्टर - बेटा, अगर सच्चे दिल से भगवान से प्रार्थना की जाए तो वो जरूर सफल होती है...! पप्पू - रहने दो सर, अगर ऐसा होता तो आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...!!!

पुलिस - तुम्हारे सामने चोर उस लड़की का पर्स छीन रहा था और तुमने उसकी कोई मदद नहीं की...! लड़का - मैं उस लड़की को जानता हूं, उसने व्हाट्सएप स्टेटस डाला है- मैं अपनी प्रॉब्लम्स खुद सॉल्व कर सकती हूं, अपने काम से काम रखो! पुलिस - फिर ठीक है, उसकी प्रॉब्लम वो जाने...!!!

पप्पू - दुपट्टा फंसा था आज पड़ोसन का मेरे शर्ट की बाजू में... गप्पू - अच्छा, फिर क्या हुआ...? पप्पू - बस वो छुड़ाने के लिए आने ही वाली थी कि बटन ही टूट गया... निकम्मा दर्जी...!!!

सभी शादीशुदा मर्दों के लिए एक जबरदस्त सुझाव... जब आपका आपकी पत्नी से झगड़ा हो जाए और वो लाख मनाने के बाद भी आपसे बात नहीं कर रही हो... तो... रसोईघर में रखे सभी जार और बोतलों के ढक्कन, खूब ताकत लगाकर टाइट कर दें, फिर देखिए कमाल...!!!

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान देना होगा। अधिकारी वर्ग का सहयोग मिलेगा। मनचाही मुराद पूरी होगी। जीवनसाथी और संतान से लाभ प्राप्त होगा।

वृषभ — आपके लिए आज का दिन मिलाजुला रहेगा। अटके हुए काम आज बनेंगे। आज किसी धार्मिक गुरु या ज्ञानी पुरुष से आपकी भेंट हो सकती है, जो आपकी काफी मदद करेंगे।

मिथुन — आज आप परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रहेंगे। ऑफिस में आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको समय से पूरा कर लेंगे।

कर्क — आज का दिन आपके लिए शुभ है। कार्यस्थल पर जांच रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि आपके सहयोगी आपके धैर्य और समझ का परीक्षण कर सकते हैं।

सिंह — आपके स्वास्थ्य में मजबूती आएगी लेकिन अचानक से आपको जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है या फिर किसी प्रकार का शारीरिक दर्द परेशान कर सकता है।

कन्या — कला के क्षेत्र में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बनायेंगे।

तुला — आपकी सकारात्मकता पूरे माहौल को सकारात्मक बनाए रखेगी। बड़े अधिकारियों के साथ खूब तालमेल बैठेगा। नौकरी और व्यापार में लाभ वाले अनुबंध हो सकते हैं।

वृश्चिक — आपके लिए आज का दिन कमजोर रहेगा। सेहत बिगड़ सकती है। अपने खाने-पीने पर विशेष ध्यान दें। यात्रा में असुविधा हो सकती है। पैसों के मामले में दिन बढ़िया रहेगा।

धनु — किसी मित्र की मदद से आपके काम बनेंगे। आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप हर काम में सफल होंगे।

मकर — आपके ऊपर माता रानी की कृपा बनी रहेगी। काफी समय से अटके काम पूरे होंगे। जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। आय में वृद्धि होगी।

कुम्भ — आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा।आपके खर्चों में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी होगी। धन का निवेश करने से बचना ही बढ़िया होगा। काम के सिलसिले में दिन बढ़िया रहेगा।

मीन — ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। व्यापारी वर्ग को धन लाभ के मौके मिलेंगे। आज अपने स्वास्थ का ख्याल रखे। साथ ही माता-पिता के स्वास्थ का पूरा पूरा ध्यान रखे।

बॉलीवुड | मन की बात

उर्दू भाषा को लेकर जावेद अख्तर की खरी-खरी

दिग्गज लिरिक्स और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर और उनकी पत्नी शबाना आजमी ने हाल ही में एक उर्दू एल्बम शायराना – सरताज लॉन्च किया। इस इवेंट में जावेद अख्तर ने उर्दू भाषा के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उर्दू हिंदुस्तान की भाषा है। जो ये मानते है कि उर्दू का संबंध पाकिस्तान से है तो वो गलत सोचते है। पाकिस्तान भी बंटवारे के बाद ही निकला है। जावेद अख्तर का मानना है किसी भी भाषा का किसी विशेष धर्म से कोई संबंध नहीं होता। जावेद अख्तर ने इस इवेंट में कहा, उर्दू किसी और जगह से नहीं आई है। ये हमारी हिंदुस्तान की भाषा है। ये हिंदुस्तान के बाहर नहीं बोली जाती। ये पाकिस्तान या इजिप्ट की भाषा नहीं है। पाकिस्तान का भी पहले कोई वजूद नहीं था। वो भी हिंदुस्तान से ही निकला है। जावेद अख्तर के मुताबिक, उर्दू के विकास में पंजाब का बहुत बड़ा रोल है। जावेद अख्तर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, पंजाब का उर्दू में बहुत बड़ा योगदान रहा है और यह भारत की भाषा है। लेकिन आपने इस भाषा को छोड़ क्यों दिया? पार्टीशन की वजह से? पकिस्तान की वजह से? उर्दू को अटेंशन की जरूरत है। पहले शिर्फ हिन्दुस्तान हुआ करता था- पकिस्तान बाद में हिन्दुस्तान से अलग होकर बना। जावेद अख्तर पाकिस्तान के लाहौर में 17 से 19 फरवरी के बीच फैज फेस्टिवल में पहुंचे थे। वहां उर्दू शायर फैज अहमद फैज की याद में एक कार्यक्रम किया गया था। इस दौरान एंकर ने जावेद अख्तर से कहा कि पाकिस्तान बड़ा फ्रेंडली, लविंग और पॉजिटिव मुल्क है। हम बम नहीं मारते, फूल भी पहनाते हैं और प्यार भी करते हैं। इस बारे में उनके क्या ख्याल हैं।

शाकुंतलम की फाइनल कॉपी देख भावुक हुई सामंथा प्रभु

बॉलीवुड | मसाला

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु लगातार अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी फिल्म शाकुंतलम को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म शाकुंतलम में सामंथा ने मेनका और विश्वामित्र की बेटी शकुंतला की भूमिका निभाई है। हाल ही में, सामंथा ने फिल्म की फाइनल कॉपी देखी है और इसे देखने के बाद सामंथा काफी भावुक हो गई, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बयान किया है।

हाल ही में, सामंथा रुथ प्रभु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म 'शाकुंतलम' की फाइनल कॉपी को देखने के बाद अपने विचार फैंस संग साझा किया है। सामंथा ने लिखा, 'आखिरकार मैंने यह फिल्म देख ही ली। इस फिल्म को देखने के बाद गुणशेखर गरु, अब तुम्हारे पास मेरा दिल है। यह कितनी खूबसूरत फिल्म है। हमारे महान महाकाव्यों में से एक है। इसे कितने प्यार से जीवंत किया गया है।' सामंथा ने आगे लिखा, 'मैं अपने परिवार और दर्शकों के इस फिल्म को देखने का इंतजार नहीं कर सकती हूं।

मुख्य भूमिका में नजर आएंगी सामंथा

आपको बता दें कि फिल्म शाकुंतलम निर्देशक गुणशेखर द्वारा निर्मित और निर्देशित है। यह फिल्म हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। यह प्रोजेक्ट गुणशेखर के साथ सामंथा की पहली साझेदारी है। इस फिल्म की कहानी राजा दुष्यंत और शकुंतला की पौराणिक कथा से प्रेरित है और महाकवि कालिदास के संस्कृत नाटक अभिज्ञान 'शाकुंतलम' से ली गई है। इस फिल्म में सामंथा और देव मोहन के अलावा अल्लू अरहा, सचिन खेडेकर, कबीर बेदी, डॉ. मोहन बाबू, प्रकाश राज, मधुबाला, गौतमी, अदिति बालन, अनन्या नागल्ला, जिशु सेनगुप्ता भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं।

'मणिकर्णिका' के बाद अंकिता को नहीं मिला बॉलीवुड में काम

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे घर-घर में अर्चना मानव देशमुख के नाम से चर्चित हैं। उन्होंने एकता कपूर के शो पवित्र रिश्ता से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और पहले ही सीरियल ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। अंकिता की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि उन्हें फिल्मों तक के ऑफर आने लगे। अंकिता ने 2019 में बॉलीवुड मूवी मणिकर्णिका से बड़े पर्दे पर करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें कोई भी हिंदी फिल्म ऑफर नहीं की गई। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुल कर इस बारे में बात की है।

अंकिता लोखंडे ने कंगना रनोट के साथ फिल्म मणिकर्णिका में काम किया था। इस फिल्म में उन्होंने झलकारीबाई का रोल किया था। लोगों ने उनकी

एक्टिंग को काफी पसंद किया था। लेकिन यही रोल उनके गले का फांस बन गया। दरअसल, अंकिता को इस फिल्म के बाद दोबारा ऐसा कोई रोल ऑफर हुआ ही नहीं, जिसमें उन्हें तलवार उठाने का मौका मिले। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक, अंकिता ने कहा कि उनका कोई गॉडफादर नहीं है। वह टैलेंटेड हैं, लेकिन आपके पास चीजें आनी तो चाहिए कुछ मना करने के लिए।

उन्होंने आगे कहा कि मार्केट काफी अलग है और जैसा कि लोग कहते हैं कि उन्हें अच्छे ऑफर नहीं मिल रहे, ऐसा कुछ भी मेरे साथ नहीं हुआ। मेरे पास ऐसे कोई ऑफर आए ही नहीं कि मैं मना कर दूं, और मैं काम मांगने नहीं जा सकती।

पवित्र रिश्ता से मिली कामयाबी

अंकिता लोखंडे को 2009 में ऑनएयर किए गए पवित्र रिश्ता सीरियल से कामयाबी मिली थी। इस शो में उनकी जोड़ी लेट एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ देखने को मिली थी। इसी शो से उनकी सुशांत के साथ लव स्टोरी भी शुरू हुई। हालांकि, कुछ साल बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया। 2022 में पवित्र रिश्ता का सीक्वल शुरू हुआ, जिसमें अंकिता लोखंडे के अपोजिट शहीर शेख ने मानव का रोल प्ले किया।

अजब-गजब

वेतन के रूप में हर रोज दिया जाता था सेंट और बीयर

एक बंदर जिसने 9 साल तक की सरकारी नौकरी

आपने कई लोगों को जानवरों को घर में पालते हुए देखा होगा। कई लोग पक्षी पालते हैं तो कुछ लोग पशुओं को पालते हैं। हालांकि ज्यादातर लोग घरों में डॉग्स को पालना पसंद करते हैं। लेकिन आपने कई लोगों को बंदर पालते हुए भी देखा होगा। बंदर बहुत समझदार होते हैं। इसके अलावा इंसान सदियों से अपने कामों के लिए जानवरों का इस्तेमाल करते आए हैं। उन्हें ऐसे काम में लिया जाता रहा है, जिसमें शारीरिक ताकत और मेहनत की जरूरत होती है लेकिन क्या आपने किसी जानवर को सरकारी नौकरी करते देखा है। हम आपको ऐसे ही एक बंदर की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसने कई सालों तक आधिकारिक तौर पर रेलवे में नौकरी की। इसके लिए बाकायदा उसे सैलेरी भी मिलती थी। उस लंगूर ने रेलवे में 9 साल तक एक सिग्नल-मैन के तौर पर काम किया था।

हादसे में कट गए थे रेलवे कर्मचारी के पैर

यह बात साल 1870 के आसपास की है। साउथ अफ्रीका के केप टाउन शहर के पास न्यजमदीहम नाम का रेलवे स्टेशन था, यहां जेम्स वाइड नाम का एक व्यक्ति सिग्नल-मैन के तौर पर काम करता था। जेम्स काफी वक्त से यहां काम कर रहा था, लेकिन एक ट्रेन हादसे में उसके दोनों पर चले गए। इस वजह से उसे काम करने में परेशानी आने लगी। उसने लकड़ी की नकली टांगे

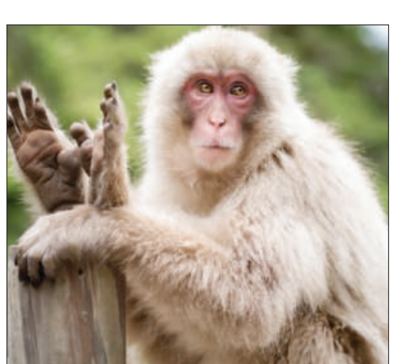

भी लगवाई, लेकिन फिर भी वह पहले की तरह ठीक से काम नहीं कर पा रहा था। जेम्स काफी परेशान रहता था। इस दौरान उसकी नजर नजदीक के एक कस्बे में गाड़ी हांक रहे एक लंगूर पर पड़ी। जेम्स ने उस लंगूर के मालिक से उसे खरीद लिया। जेम्स ने उस लंगूर का नाम जैक रखा। जैक बहुत होशियार और समझदार था। वह घर के ज्यादातर कामों में जेम्स की मदद करने लगा। जेम्स उसे अपने साथ रेलवे स्टेशन भी ले जाने लगा। वहां उसने जैक को सिग्नल चेंज करना सिखा दिया। उसने बहुत जल्द जेम्स के इशारे पर सिग्नल चेंज करना सीख लिया। पहले इस काम को करने के लिए जैक को जेम्स के इशारे की जरूरत पड़ती थी। लेकिन बाद में उसने सिर्फ गाड़ी की सीटी की आवाज से ही सिग्नल चेंज करना शुरू कर दिया।

लंगूर रेलवे का सिग्नल चेंज कर रहा है, यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। रेलवे अधिकारियों तक भी यह खबर पहुंची। उसके बाद अधिकारियों ने जेम्स को तुरंत ही नौकरी से बर्खास्त कर दिया। जेम्स ने अधिकारियों से काफी मिन्नते कीं और उनसे जैक की काबिलियत टेस्ट करने को कहा। रेलवे अधिकारी इस बात के लिए तैयार हो गए।

रेलवे अधिकारियों ने जैक का टेस्ट लिया और जैक ने उस टेस्ट को पास कर लिया। इस पर मैनेजर इतना खुश हुआ कि उसने जेम्स की नौकरी वापस कर दी। साथ ही जैक को भी आधिकारिक तौर पर रेलवे में बतौर सिग्नल-मैन काम दे दिया। ऐसा कहा जाता है कि उसे आधिकारिक तौर पर रेलवे में नियुक्त किया गया और उसे रोजगार नंबर भी दिया गया था। जैक हर रोज के हिसाब से 20 सेंट और बीयर की आधी बोतल हर हफ्ते वेतन के तौर पर दी जाने लगी। जैक पहला और आखिरी ऐसा लंगूर था, जिसने रेलवे में आधिकारिक तौर पर नौकरी की है। उसने 9 साल तक अपनी सेवाएं दी और इस दौरान उसने न कभी कोई गलती की और न ही कभी छुट्टी ली। 1890 में उसकी टीबी से मौत हो गई थी।

यहां जमीन के नीचे बसा है पूरा शहर अंदर मौजूद हैं स्विमिंग पूल और होटल

आपने लोगों को धरती पर ही मकान बनाते हुए देखा है लेकिन धरती पर ही एक जगह ऐसी भी है जहां लोग जमीन के नीचे घर बनाकर रहते हैं। ये घर बहुत आलीशान हैं और हर सुख सुविधाओं से लैस हैं। देखने में यह किसी आधुनिक शहर जैसा लगता है। यहां जमीन के नीचे सुख-सुविधा की हर वो चीज मौजूद है जो एक आधुनिक शहर में होती है। यह अनोखा शहर ऑस्ट्रेलिया के रेगिस्तानी इलाके में बसा है। इसे कूबर पेडी के नाम से जाना जाता जहै। इस शहर तक पहुंचने के बाद रेगिस्तान के बीच सिर्फ लाल और भूरी रंग की जमीन नजर आती है। हालांकि, यहां जमीन के ऊपर भी कुछ लोग घर बनाकर रहते हैं, लेकिन यहां एक हिस्सा ऐसा भी है जहां जमीन के ऊपर कुछ नहीं दिखता और जमीन के नीचे लग्जरी लाइफ की सारी सुविधाएं मौजूद हैं। इसमें स्विमिंग पूल, होटल, चर्च समेत कई भव्य रेस्टोरेंट भी मौजूद हैं।

कूबर पेडी काफी गर्म जगह है, यहां सर्दियों के मौसम में भी गर्मी रहती है और बारिश भी ही होती है। रिपोर्ट के अनुसार, सालभर में यहां 130 मिली-मीटर के आस-पास बारिश होती है। ये एक बड़ा कारण है कि लोग जमीन के नीचे रहना पसंद करते हैं। यहां अगर 24 घंटे भी ठीक-ठाक बारिश हो जाए तो बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। जमीन के नीचे बसे इस शहर में करीब 3500 लोग रहते हैं। इस शहर में लगभग 45 देशों के लोग बसे हुए हैं। इसमें भी 60 परसेंट लोग यूरोप के रहने वाले हैं। कम जनसंख्या के बावजूद ये शहर अपनी अद्भुत संस्कृति और रहन-सहन की वजह से लोगों के पसंदीदा जगहों में शुमार है। यहां कमाई का जरिया सैलानी और ओपल की खदान हैं। यहां के लोग रात में ही खेल-कूद का आनंद उठाते हैं। यहां का गोल्फ कोर्स काफी मशहूर है। इस शहर में सिफ्र अंडर-ग्राउंड घर ही नहीं बल्की होटल भी मौजूद हैं। यहां आपको जमीन के नीचे स्विमिंग पूल भी नजर आएगा।

सभी सरकारी कर्मी टीएमसी के विश्वासपात्र नहीं : ममता बनर्जी

बोलीं-भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर महीनों बाद ममता बनर्जी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद जिन सरकारी स्कूलों के शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी की नौकरियां की जा रही हैं, जरूरी नहीं कि वह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कैडर या विश्वासपात्र हों। उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य द्वारा संचालित स्कूलों में हजारों शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त करने के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ऋषि अरबिंदो घोष की 150वीं जयंती पर वक्तव्य रख रही थी। ममता बनर्जी ने कहा, कि मैं भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन उनकी गलतियों के कारण हमें उनकी नौकरी समाप्त करके युवाओं को दंडित नहीं करना चाहिए। आज ही मैंने सुना कि दो युवकों ने नौकरी जाने के बाद के बाद आत्महत्या कर ली है। जिन लोगों की नौकरी गई हैं, उनमें से सारे सिर्फ टीएमसी पार्टी का कैडर नहीं है।

ममता बनर्जी ने कहा, न्यायपालिका से यह भी विचार करने की अपील की कि जिन लोगों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं, उन्हें कैसे बहाल किया जा सकता है। इसे कानूनी व्यवस्था के तहत किया जाना चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और माकपा के राज्यसभा सदस्य ने मुख्यमंत्री की दलीलों को निराधार बताते हुए कहा कि अवैध रूप से नौकरी पाने वालों की भी उतनी ही गलती है, जितनी व्यवस्था के भीतर उन लोगों की जिन्होंने इस अनियमितता को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा, ऐसे अपराध के लिए कानूनी प्रावधानों के अनुसार कोई सुधार नहीं है जहां पैसा दिया गया और लिया गया।

कोर्ट से पुनर्विचार की अपील

नंदीग्राम जनता का आंदोलन था ममता का नहीं : सुवेंदु

कोलकाता। बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि नंदीग्राम आंदोलन तृणमूल कांग्रेस या ममता बनर्जी का नहीं जनता का आंदोलन था। तृणमूल कांग्रेस आंदोलन को हाइजैक करने की कोशिश करती रही है। लेकिन हकीकत यह है कि नंदीग्राम का आंदोलन किसी पार्टी या व्यक्ति का नहीं बल्कि आम लोगों का था। स्थानीय लोगों ने मिल कर बड़ा आंदोलन किया था। इससे ममता बनर्जी या किसी का कोई लेना-देना नहीं था। इसके बाद शुभेंदु ने कहा कि हमने इस इलाके से सीपीएम को साफ किया है और अब बुआ- भतीजा (ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी) को भी साफ करेंगे। अगले साल भतीजा (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी) जेल में रहेंगे। बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, ममता बनर्जी और उनकी पुलिस मुझे रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। बंगाल में लोकतंत्र किस तरह खतरे में है। हाल यह है कि मुझे नंदीग्राम आने के लिए हाईकोर्ट के आदेश पर केंद्रीय बलों की सुरक्षा में शहीदों को श्रद्धांजलि देनी पड़ रही है।

जज टिप्पणी मामले में अंतिम रिपोर्ट निरस्त दोबारा विवेचना के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च 2021 में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा प्रदेश सरकार की लगाई गई होर्डिंग को उतारे जाने के संबंध में दिए गए आदेश के बाद हुई जांच की अंतिम रिपोर्ट को स्पेशल सीजेएम ने निरस्त कर दिया है और विवेचना के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी अधिवक्ता डा.नूतन ठाकुर ने दी। उन्होंने कहा कि स्पेशल सीजेएम ने साक्षी गर्ग ने उनकी बात को सही पाते हुए पुलिस द्वारा भेजी गई रिपोर्ट को खारिज कर पुलिस को मामले में दोबारा विवेचना किए जाने के निर्देश दिए हैं।

ज्ञात हो कि मार्च 2021 में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा प्रदेश सरकार की लगाई गई होर्डिंग को उतारे जाने के संबंध में दिए गए आदेश के बाद तमाम लोगों द्वारा ट्विटर और फेसबुक सहित सोशल मीडिया पर आदेश देने वाले दोनों जजों के खिलाफ अत्यंत अमर्यादित व्यक्तिगत टिप्पणी किए जाने के मामले में डॉ नूतन ठाकुर द्वारा थाना गोमतीनगर में दर्ज किए गए मामले में पुलिस द्वारा अंतिम रिपोर्ट भेजी गई थी। इस संबंध में डॉ नूतन ठाकुर ने स्पेशल सीजेएम लखनऊ कोर्ट में प्रोटेस्ट याचिका प्रस्तुत कर कहा था कि पुलिस ने जानबूझकर दोषियों को बचाने के लिए मामले में विवेचना किए बिना ही अंतिम रिपोर्ट भेज दी जबकि उन्होंने इस मामले में तमाम सबूत पेश किए थे जिनसे दोषियों तक आसानी से पहुंचा जा सकता था।

हरमनप्रीत ने धोनी को पछाड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस का महिला प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन जारी है। मुंबई ने पांचवी जीत हासिल कर अपनी धमक दिखा दी है। हरमनप्रीत कौर ने इस जीत के साथ ही एमएस धोनी सहित कई दिग्गज भारतीय कप्तानों को पीछे छोड़ दिया है। भारतीय खिलाड़ियों में कप्तान के रूप में 5 आईपीएल या डब्ल्यूपीएल मैच में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में हरमनप्रीत कौर टॉप पर पहुंच गई हैं। हरमनप्रीत कौर ने मुंबई इंडियंस की अगुवाई करते हुए टीम को लगातार पांच मैचों में जीत दिलाई।

हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2023 के 12वें मैच में गुजरात जायंट्स को 55 रन के विशाल अंतर से मात दी। इसी के साथ मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी के आमंत्रण को स्वीकारा और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए। जवाब में गुजरात जायंट्स की टीम 9 विकेट खोकर 107 रन ही बना सकी। मुंबई की डब्ल्यूपीएल 2023 में यह लगातार पांचवीं जीत रही। मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी।

डब्ल्यूपीएल में लगातार पांच मैच जीतने वाली बनीं पहली कप्तान

बन गई नंबर-1

हरमनप्रीत से पीछे एमएस धोनी सहित विराट कोहली, रोहित शर्मा, गौतम गंभीर, हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, ऋषभ पंत और वीरेंद्र सहवाग रह गए। इन सभी खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी टीम को लगातार चार मैचों में जीत दिलाई है। हरमनप्रीत कौर के साथ-साथ मुंबई इंडियंस ने भी एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुंबई इंडियंस एकमात्र टीम बनी है, जिसने महिला प्रीमियर लीग के अपने पहले पांच मैच जीते। आईपीएल में भी कोई टीम ऐसा कमाल नहीं कर पाई है। मुंबई इंडियंस ने मौजूदा डब्ल्यूपीएल में गुजरात को 143 रन, आरसीबी को 9 विकेट, दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट, यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट और गुजरात जायंट्स को 55 रन से शिकस्त दी।

रिकॉर्ड : 63 बार मैन ऑफ द मैच बने कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक की बदौलत कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। टेस्ट में कोहली का यह 28वां शतक था और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी 75वीं शतकीय पारी रही। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दिया गया। इस अवॉर्ड को पाने के साथ ही कोहली ने एक खास उपलब्धि भी अपने नाम की। वह तीनों फॉर्मेट में 10 या उससे ज्यादा बार यह अवॉर्ड पाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 63 बार कोहली प्लेयर ऑफ द मैचअवॉर्ड जीत चुके हैं। टेस्ट में कोहली 10 बार यह सम्मान पा चुके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला ड्रॉ रहा। टीम इंडिया ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। अहमदाबाद में खेले गए चौथे मैच में विराट कोहली ने शानदार शतक जड़ा था। उन्होंने 364 गेंदों में 186 रन की शानदार पारी खेली थी। टेस्ट में कोहली ने 1205 दिन का सूखा खत्म करते हुए शतक जड़ा था। इससे पहले उन्होंने नवंबर 2019 में टेस्ट में शतक लगाया था।

फोटोः सुमित कुमार

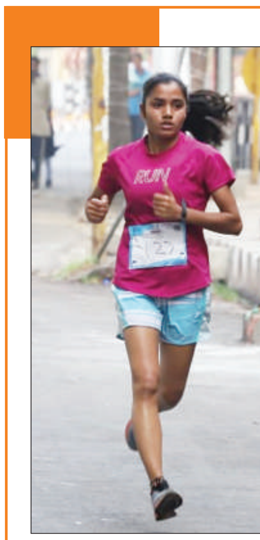

हाफ मैराथन

केडी सिंह बाबू स्टेडियम से गंगा रन (हाफ मैराथन) का आयोजन हुआ। यह दौड़ केडी सिंह बाबू स्टेडियम से शुरू होकर हजरतगंज, सिकंदरबाग, गोमती-पुल, हनुमान सेतु, परिवर्तन चौक होते हुए वापस केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर आकर समाप्त हुई। दौड़ के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

आगरा एक्सप्रेस-वे पर हादसे में जज व बेटे समेत चार घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। कंज्यूमर कोर्ट के जज की कार लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर बांगरमऊ क्षेत्र में मवेशी से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में जज व परिवार के लोग घायल हो गए। बांगरमऊ सीएससी से स्वजन सभी को लखनऊ लेकर चले गए। डाक्टर ने किसी को गंभीर चोट न आने के बात कही है।

जौनपुर जिला के थाना सिकंदरा अंतर्गत मुकुंदीपुर निवासी 65 वर्षीय विनोद मिश्रा पुत्र राजनारायण मिश्रा बिहार प्रांत के झबुवा में कंज्यूमर कोर्ट के जज हैं। मंगलवार की देर रात वह कार से अपने कार्यक्षेत्र बिहार से गौतमबुद्ध नगर जा रहे थे। बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किमी संख्या 232 पर गांव देवखरी के पास अचानक सामने मवेशी के आ जाने से कार अनियंत्रित हो पलट गई। हादसे में कार चालक उनका पुत्र देवेश, पत्नी 63 वर्षीय विमला, परिवार की ही रुचि पत्नी प्रशांत घायल हो गए। यूपीडा रेस्क्यू टीम ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया।

बाहर होता रहा प्रदर्शन, बिना मिले ही चल दिए मंत्री

शिक्षक भर्ती मामला : अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री के आवास के बाहर किया विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने भेजा ईको गार्डन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 69000 शिक्षक भर्ती में कोर्ट के आदेश आने के बाद से मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। सोमवार को हाई कोर्ट के निर्णय के एक दिन बाद सुबह तड़के से ही शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में एकजुट होकर मंत्री आवास पर प्रदर्शन किया। मंत्री उनसे बिना मिले ही चले गए।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थियों की मौजूदगी में प्रदर्शन के दौरान जोरदार नारेबाजी भी हुई। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को गाड़ी में भरकर इको गार्डन पहुंचा दिया।

कोर्ट ने इसके साथ ही भर्ती परीक्षा के क्रम में आरक्षित वर्ग के अतिरिक्त 6800 अभ्यर्थियों की 5 जनवरी 2022 को जारी हुई चयन सूची को भी खारिज कर दिया। इस चयन सूची को यह कहते हुए चुनौती दी गई थी कि इसे बिना किसी विज्ञापन के जारी किया गया था।

कोर्ट ने चयनित हो चुके अभ्यर्थियों को राहत देते हुए यह भी कहा कि ऐसे सहायक अध्यापक जो कि वर्तमान समय में कार्यरत हैं, चयन सूची को संशोधित किए जाने की प्रक्रिया अपनाए जाने तक उनकी सेवा में किसी भी प्रकार का कोई हस्तक्षेप ना किया जाएं।

फोटो: सुमित कुमार

भर्ती में हुई गड़बड़ी की जांच हो : सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में अभ्यर्थियों के साथ न्याय नहीं हुआ है। सपा मांग करती हैं कि इनके साथ न्याय करें। जिन लोगों ने नियुक्ति में गड़बड़ी की, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। सपा कार्यालय में बातचीत करते हुए सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में आरक्षण नियमों की अनदेखी की गई।

नशे में धुत यात्रियों को यात्रा से रोकें : स्वाति

» स्वाति मालीवाल का डीजीसीए को सुझाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने डीजीसीए को खत लिखते हुए विमानों में महिला सहयात्रियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार और पेशाब करने जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सुझाव दिए हैं।

स्वाति मालीवाल ने खत शेयर करते हुए ट्वीट किया, नशे की हालत में फ्लाइट में यात्रियों द्वारा महिला सहयात्री पर पेशाब करने और ऐसी कई और घटनाओं की रोकथाम के लिए शराब के नशे में धुत यात्रियों के लिए जो यात्री ज्यादा नशे में हो उसे फ्लाइट पर चढ़ने से रोका जाए। उन्होंने खत में लिखा कि अगर यात्री यात्रा के दौरान ज्यादा शराब पी ले तो उसे संभालने के लिए एक विस्तृत नियम बने।

उड़ान के दौरान शराब के सेवन की सीमा निर्धारित की जाए। सभी विमानों में सीसीटीवी लगाने, गुप्त उपकरणों के इस्तेमाल, अलार्म की सुविधा का भी परामर्श दिया गया है।

स्वदेश लौटे राहुल, केंद्र पर फिर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार को राहुल विदेश से लौट आए हैं। वे आज संसद सत्र में भी शामिल हो सकते हैं। स्वदेश पहुंचने के कुछ देर बाद राहुल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया और एक बार फिर अडाणी के बहाने केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

राहुल ने लिखा- भारत का मिसाइल और रडार अपग्रेड कॉन्ट्रैक्ट अडाणी के स्वामित्व वाली कंपनी और इलारा नाम की एक संदिग्ध विदेशी संस्था को दिया गया है। इलारा को कौन कंट्रोल करता है? इसकी जानकारी देश को होनी चाहिए।

सभी पार्टियां घोर जातिवादी व बहुजन विरोधी : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मायावती ने अखिलेश के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी, सपा और कांग्रेस सभी घोर जातिवादी व बहुजन विरोधी पार्टियां, कोई कम तो कोई ज्यादा है। इसके अलावा, सपा द्वारा विद्वेषपूर्ण आरोप लगा देने से काम नहीं चलेगा।

बल्कि यूपी और देश भी यह देख रहा है कि कौन किसकी बी टीम रही है और अभी भी उसी रुप में सक्रिय है। दरअसल, अखिलेश यादव ने अपने बयान में कहा था,पिछले विधानसभा चुनावों में, बीजेपी दफ्तर ने बसपा के उम्मीदवारों को अंतिम रूप दिया।

बसपा के उम्मीदवार जीत के लिए नहीं, बल्कि सपा के उम्मीदवारों को जीतने से रोकने के लिए मैदान में उतारे गए थे, बसपा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर और उसके संस्थापक कांशीराम के रास्ते से भटक गई है। बसपा ने भाजपा के साथ सांठगांठ की है और उसकी बी-टीम के रूप में काम करती है। जबकि आरोपों का जवाब देते हुए उमाशंकर सिंह ने कहा था,सपा प्रमुख खुद बीजेपी की बी टीम हैं। बीजेपी ने अखिलेश के कई कामों की जांच शुरू कराई, लेकिन आज तक एक भी जांच में निर्णय सामने नहीं आया। बसपा प्रमुख ने कांशीराम की जयंती पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया।

आज रात से बिजली कर्मी जा सकते हैं 72 घंटे की हड़ताल पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिजली कर्मियों ने तीन दिसंबर को ऊर्जा मंत्री की मौजूदगी में हुए लिखित समझौते को लागू करने की मांग को लेकर बिजलीकर्मी 16 मार्च की रात से 72 घंटे की हड़ताल पर जा सकते हैं। इससे पहले इसे लेकर मंगलवार से आंदोलन शुरू कर दिया है।

विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति ने 15 मार्च को कार्य बहिष्कार और लखनऊ में मशाल जुलूस भी निकाला। हालांकि, उनके जुलूस को पुलिस ने पावर कार्पोरेशन के फील्ड हॉस्टल के बाहर नहीं जाने दिया। वही हड़ताल से निपटने के लिए सरकार ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। बिजली कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।